DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

5 February, 2024

बहुआयामी गरीबी

***संदर्भ**: अपने अंतरिम बजट भाषण के दौरान, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, कि पिछले एक दशक में, 25 करोड़ भारतीयों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला गया है।*

➢ **मूल्यांकन का आधार:**

- पिछले दशक में 25 करोड़ भारतीयों को गरीबी से बाहर निकालने का आकलन 15 जनवरी को नीति आयोग द्वारा प्रकाशित "2005-06 के बाद से भारत में बहुआयामी गरीबी" नामक चर्चा पत्र पर आधारित है।
- UNDP और OPHI द्वारा प्राप्त आँकड़ों के अनुसार, 2013-14 में 29.17% से 2022-23 में 11.28% तक बहुआयामी गरीबी में गिरावट दर्ज की गई है।
- इस अवधि के दौरान, लगभग 24.82 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया। इस संदर्भ में उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश गरीबी कम करने में अग्रणी राज्य रहे।

➢ **बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) के संकेतक:**

- एमपीआई गरीबी मूल्यांकन के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है, जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर के 10 संकेतकों को शामिल कर प्रत्येक आयाम को समान महत्व दिया जाता है।
- स्वास्थ्य संबंधी कारकों में पोषण और बाल मृत्यु दर शामिल है, शिक्षा संकेतक में स्कूली शिक्षा और उपस्थिति शामिल है, जबकि जीवन स्तर के संकेतकों में आवास, घरेलू संपत्ति और सुविधाओं तक पहुंच शामिल है।
- भारत की प्राथमिकताओं के साथ तालमेल बिठाने के लिए, भारतीय एमपीआई में मातृ स्वास्थ्य और बैंक खाता स्वामित्व को अतिरिक्त संकेतक के रूप में शामिल किया गया है।

Escaped Multidimensional Poverty (2013-14-2022-23)

	Estimated in lakh
Bihar	377.09
Madhya Pradesh	230.00
Maharashtra	159.07
Odisha	102.78
Rajasthan	187.12
Uttar Pradesh	593.69
West Bengal	172.18
INDIA	2,482.16

➢ **गणना विधि:**

- व्यक्तियों को "एमपीआई गरीब" के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि वे भारित संकेतकों के कम से कम एक तिहाई क्षेत्र में अभाव का अनुभव करते हैं।
- गणना में बहुआयामी गरीबी (एच) की घटना और गरीबी की तीव्रता (ए) का निर्धारण करना शामिल है, जिसमें एच और ए को गुणा करके एमपीआई प्राप्त किया जाता है।
- वर्ष 2013-14 और वर्ष 2022-23 के डेटा राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के स्वास्थ्य मेट्रिक्स के माध्यम से प्राप्त किए गए थे।

➢ **गरीबी अनुमानों की तुलना:**

- वर्ष 2013-14 और 2022-23 के बीच गरीबी अनुमानों की तुलना पिछले दशक के पहलों के प्रभाव की जानकारी प्रदान करती है।
- विश्लेषण से 2015-16 के बाद गरीबी में कमी की दर में तेजी का पता चलता है, जो गरीबी उन्मूलन के उद्देश्य से नीतियों और कार्यक्रमों की प्रभावशीलता को दर्शाता है।

➢ **बहुआयामी गरीबी सूचकांक:**

- बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) 100 से अधिक विकासशील देशों में तीव्र बहुआयामी गरीबी का आकलन करने के लिए एक महत्वपूर्ण वैश्विक उपकरण के रूप में कार्य करता है।
- शुरुआत में 2010 में पेश किया गया, यह सूचकांक ऑक्सफोर्ड गरीबी और मानव विकास पहल (ओपीएचआई) और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय द्वारा संयुक्त रूप से लॉन्च किया गया था।

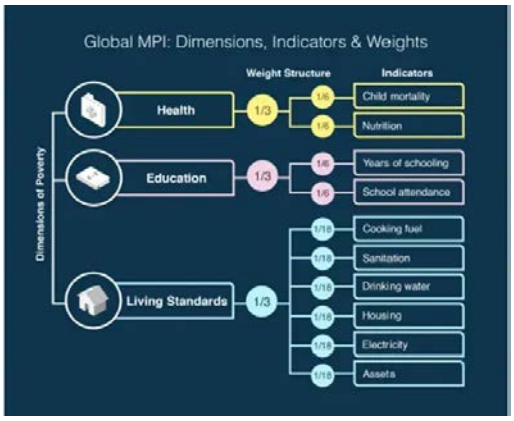

- यह स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर के आयामों तक फैले 10 संकेतकों की निगरानी करके अभाव का एक व्यापक उपाय प्रदान करता है, जिसमें गरीबी की घटना और तीव्रता दोनों को शामिल किया गया है।
- इस गरीबी सूचकांक में उन व्यक्तियों को बहुआयामी गरीब के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, यदि वे निर्दिष्ट दस में से कम से कम एक तिहाई (या 33%) भारित संकेतकों में अभाव का अनुभव करते हैं।
- जो लोग भारित संकेतकों के आधे से अधिक से वंचित हैं, उन्हें अत्यधिक बहुआयामी गरीबी में रहने वाला माना जाता है।

मसालों और पाक जड़ी-बूटियों पर कोडेक्स समिति (सीसीएससीएच)

***संदर्भ**: मसालों और पाक जड़ी-बूटियों पर कोडेक्स समिति (सीसीएससीएच) का 7वां सत्र 29 जनवरी से 2 फरवरी, 2024 तक कोच्चि में आयोजित किया गया।*

➢ **महामारी के बाद शारीरिक सत्र:**

- ग्रीवा कैंसर:
- सर्वाइकल कैंसर मुख्य रूप से महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा को प्रभावित करता है और विश्व स्तर पर महिलाओं में चौथा सबसे आम कैंसर है।
- भारत में, यह महिलाओं में दूसरा सबसे आम कैंसर है, जो जनसंख्या पर इसके महत्वपूर्ण प्रभाव को उजागर करता है।
- द लैंसेट अध्ययन के अनुसार, भारत में सर्वाइकल कैंसर के मामलों का काफी बोझ है, जो इस बीमारी से होने वाली वैश्विक मौतों में लगभग 25% का योगदान देता है।
- सर्वाइकल कैंसर के अधिकांश मामले (99%) ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) के उच्च जोखिम वाले उपभेदों के संक्रमण से जुड़े हैं, जो आमतौर पर यौन संपर्क के माध्यम से फैलता है।
- एचपीवी टीकाकरण और कैंसर पूर्व घावों की जांच सहित प्रभावी रोकथाम रणनीतियाँ, गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की घटनाओं को काफी कम कर सकती हैं।
- शीघ्र पता लगाने और उचित प्रबंधन से सर्वाइकल कैंसर के पूर्वानुमान में काफी सुधार होता है, जिससे शीघ्र निदान होने पर यह कैंसर के सबसे अधिक इलाज योग्य रूपों में से एक बन जाता है।
- भारत में हर साल सर्वाइकल कैंसर के लगभग 125,000 मामले और इस बीमारी से 75,000 मौतें दर्ज की जाती हैं, जो वैश्विक बोझ में महत्वपूर्ण योगदान देता है।
- विशिष्ट उच्च जोखिम वाले एचपीवी उपभेदों, विशेष रूप से प्रकार 16 और 18 के साथ लगातार संक्रमण, वैश्विक स्तर पर गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के अधिकांश मामलों (लगभग 85%) के लिए जिम्मेदार है। मानकों के रूप में अपनाने के लिए कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन (सीएसी) को भेजा गया था।

➢ **समूहीकरण रणनीति कार्यान्वयन:**

- सीसीएससीएच ने मसालों के लिए समूहीकरण रणनीति को सफलतापूर्वक लागू किया। इसमें 'फलों आदि से प्राप्त मसालों' के लिए पहले समूह मानक को अंतिम रूप दिया।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

5 February, 2024

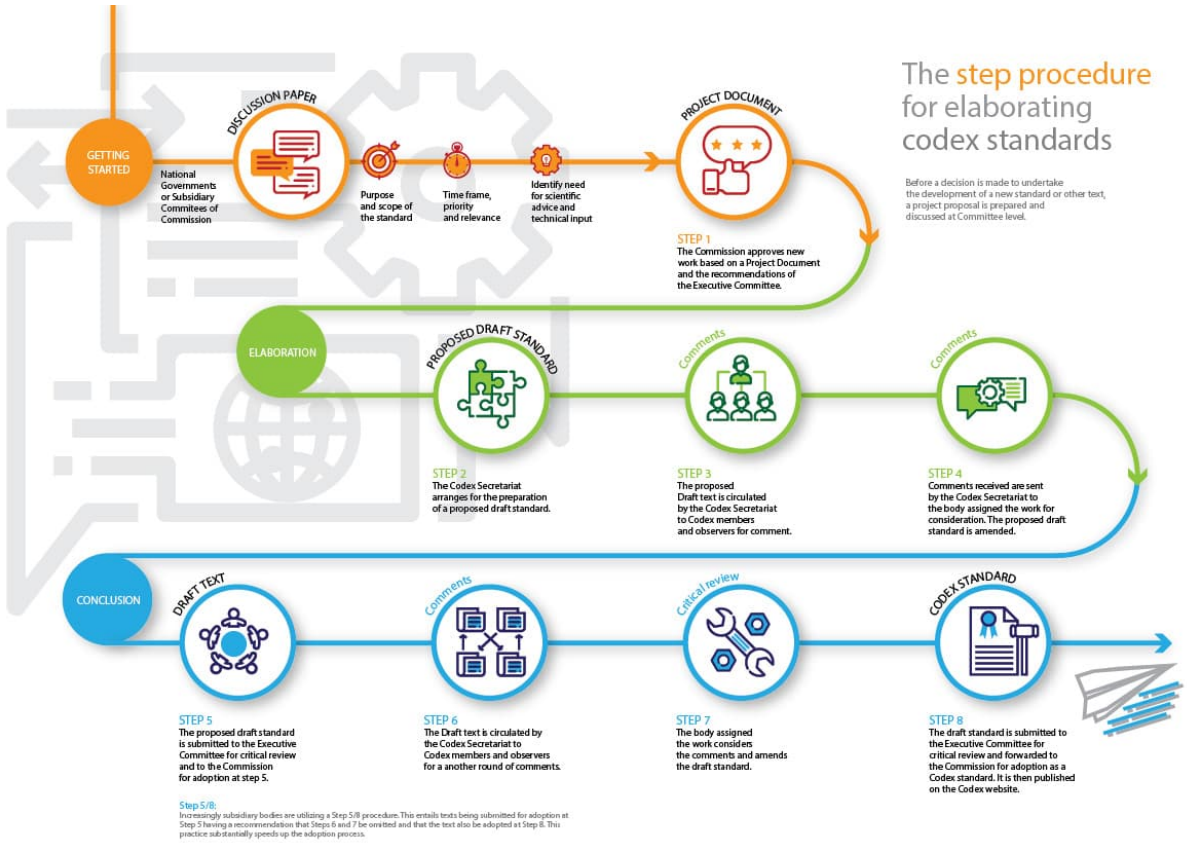

➢ **प्रगति और प्रस्ताव:**

- यह मसौदा मानक आगे की जांच की प्रतीक्षा में 5 चरण आगे बढ़ा।
- सूखे धनिये के बीज, बड़ी इलायची, मीठी मरजोरम और दालचीनी पर मानकों के प्रस्ताव स्वीकार कर लिए गए।
- भविष्य के सत्र इन चार मसालों के लिए मानकों का मसौदा तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

➢ **बढ़ी हुई भागीदारी:**

- CCSCH7 में पहली बार कई लैटिन अमेरिकी देशों की भागीदारी देखी गई, जिससे वैश्विक प्रतिनिधित्व बढ़ा।

➢ **भविष्य की बैठकें और कार्य समूह:**

- समिति की अगली बैठक 18 महीने बाद होगी।
- विभिन्न देशों की अध्यक्षता वाले इलेक्ट्रॉनिक कार्य समूह (ईडब्ल्यूजी) मानक विकास पर बहुराष्ट्रीय परामर्श जारी रखेंगे।

➢ **कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन (सीएसी) की भूमिका:**

- एफएओ और डब्ल्यूएचओ द्वारा स्थापित सीएसी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत खाद्य मानक बनाती है।
- सीसीएससीएच सीएसी के तहत काम करता है, जिसकी मेजबानी भारत करता है और मसाला बोर्ड भारत सचिवालय के रूप में कार्यरत है।

➢ **प्रभाव और महत्व:**

- सीएसी मानक खाद्य सुरक्षा विवादों को हल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय संदर्भ बिंदु के रूप में कार्य करते हैं।
- वे खाद्य मानकों के सामंजस्य को बढ़ावा देते हैं, निष्पक्ष वैश्विक व्यापार को सुविधाजनक बनाते हैं और दुनिया भर में खाद्य सुरक्षा को बढ़ाते हैं।

विश्व में बढ़ता कैंसर दबाब

संदर्भ: *1 फरवरी, 2024 को जारी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के नवीनतम अनुमान, पिछले वर्षों की तुलना में 2022 में 20 मिलियन नए कैंसर मामलों की वैश्विक वृद्धि का संकेत देते हैं।*

➢ **भारत में कैंसर के मामले:**

- भारत में, 2022 में कैंसर के 1,413,316 नए मामले सामने आए, जिसमें महिला रोगियों के पक्ष में उल्लेखनीय लिंग असमानता थी।
- स्तन कैंसर भारत में कैंसर के सबसे प्रचलित रूप के रूप में उभरा है, जिसमें सभी मामलों में से 13.6% मामले शामिल हैं, महिलाओं में होने वाले कैंसर के 26% से अधिक मामले स्तन कैंसर वाले होते हैं।
- भारत में अन्य प्रचलित कैंसरों में मुख, गर्भाशय ग्रीवा और गर्भाशय, फेफड़े और ग्रासनली के कैंसर शामिल हैं।

➢ **वैश्विक कैंसर सांख्यिकी:**

- वैश्विक स्तर पर, फेफड़ों का कैंसर सबसे अधिक होने वाला कैंसर है, जिसके 2.5 मिलियन नए मामले सामने आए हैं। इसके बाद 2.3 मिलियन मामलों के साथ महिला स्तन कैंसर का नंबर आता है।
- दुनिया भर में शीर्ष पांच सबसे आम कैंसरों में कोलोरेक्टल, प्रोस्टेट और पेट के कैंसर भी प्रमुखता से शामिल हैं।

➢ **सामाजिक आर्थिक कारकों का प्रभाव:**

- तम्बाकू का उपयोग, शराब का सेवन, मोटापा और वायु प्रदूषण जैसे सामाजिक आर्थिक कारक विश्व स्तर पर कैंसर के बढ़ते बोझ में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।
- निम्न और मध्यम मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) वाले देश विशेष रूप से इन जोखिम कारकों के प्रतिकूल प्रभावों के प्रति संवेदनशील हैं, जहां उन्हें कैंसर से होने वाली उच्च घटनाओं और मृत्यु दर का सामना करना पड़ता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

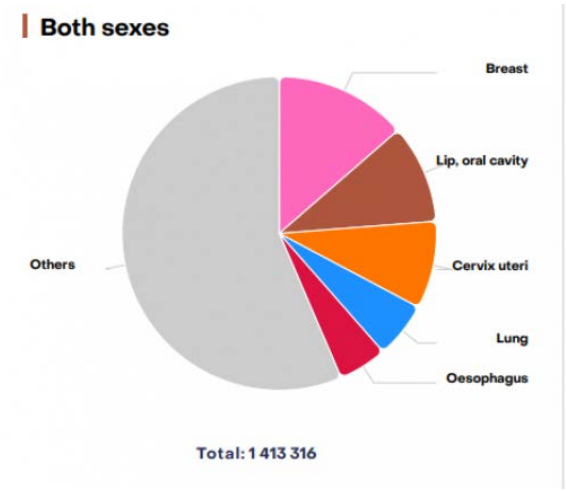

➢ **नीतिगत उपाय:**

- भारत में अंतरिम बजट 2024-25 ने 9-14 वर्ष की आयु की युवा लड़कियों में सर्वाइकल कैंसर के लिए टीकाकरण जैसे निवारक उपायों के महत्व को रेखांकित किया।
- प्रभावी नीतियों और विनियमों के माध्यम से धुआं रहित तंबाकू के सेवन जैसे जोखिम कारकों को संबोधित करना, विशेष रूप से भारत जैसे दक्षिण एशियाई देशों में मौखिक कैंसर के बोझ को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है।

➢ **भविष्य के अनुमान:**

- डब्ल्यूएचओ ने 2050 तक वैश्विक कैंसर के बोझ में 77% की आश्चर्यजनक वृद्धि का अनुमान लगाया है, जो इस बीमारी से निपटने के लिए व्यापक रणनीतियों की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।
- कैंसर के मामलों में इस तेजी से वृद्धि से सीमित संसाधनों वाले देशों पर असमान रूप से प्रभाव पड़ने, मौजूदा स्वास्थ्य देखभाल असमानताओं के बढ़ने और महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियाँ बढ़ने की आशंका है।

➢ **सर्वाइकल कैंसर:**

- सर्वाइकल कैंसर मुख्य रूप से महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा को प्रभावित करता है और विश्व स्तर पर महिलाओं में चौथा सबसे आम कैंसर है।
- भारत में, यह महिलाओं में दूसरा सबसे आम कैंसर है, जो जनसंख्या पर इसके महत्वपूर्ण प्रभाव को उजागर करता है।
- द लैंसेट अध्ययन के अनुसार, भारत में सर्वाइकल कैंसर के मामलों का काफी बोझ है, जो इस बीमारी से होने वाली वैश्विक मौतों में लगभग 25% का योगदान देता है।
- सर्वाइकल कैंसर के अधिकांश मामले (99%) ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) के उच्च जोखिम वाले उपभेदों के संक्रमण से जुड़े हैं, जो आमतौर पर यौन संपर्क के माध्यम से फैलता है।
- एचपीवी टीकाकरण और कैंसर पूर्व घावों की जांच सहित प्रभावी रोकथाम रणनीतियाँ, गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की घटनाओं को काफी कम कर सकती हैं।
- शीघ्र पता लगाने और उचित प्रबंधन से सर्वाइकल कैंसर के पूर्वानुमान में काफी सुधार होता है, जिससे शीघ्र निदान होने पर यह कैंसर के सबसे अधिक इलाज योग्य रूपों में से एक बन जाता है।
- भारत में प्रत्येक वर्ष सर्वाइकल कैंसर के लगभग 125,000 मामले और इस बीमारी से 75,000 मौतें दर्ज की जाती हैं, जो वैश्विक बोझ में महत्वपूर्ण योगदान देता है।
- विशिष्ट उच्च जोखिम वाले एचपीवी उपभेदों, विशेष रूप से प्रकार 16 और 18 के साथ लगातार संक्रमण, वैश्विक स्तर पर गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के अधिकांश मामलों (लगभग 85%) के लिए जिम्मेदार है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

बांदीपुर बाघ अभयारण्य

हाल ही में, केरल में पकड़े गए 25 वर्षीय हाथी को कर्नाटक के बांदीपुर बाघ अभयारण्य ले जाया जा रहा था लेकिन दुर्भाग्य से वह वहां पहुंचने पर मृत पाया गया।

बांदीपुर बाघ अभयारण्य के बारे में:

- बांदीपुर बाघ अभयारण्य दक्षिण भारतीय राज्य कर्नाटक में स्थित एक प्रसिद्ध वन्यजीव अभयारण्य है।
- यह कर्नाटक के दो समीपवर्ती जिलों मैसूर और चामराजनगर में स्थित है।
- यह भारत के प्रमुख बाघ अभयारण्यों में से एक है और बड़े नीलगिरी बायोस्फीयर रिजर्व का हिस्सा है।
- इसकी स्थापना 1930 के दशक में वन्यजीव अभयारण्य के रूप में हुई थी और बाद में 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर के तहत इसे बाघ अभयारण्य बना दिया गया।
- यह उत्तर पश्चिम में नागरहोल टाइगर रिजर्व से घिरा हुआ है, जो काबिनी जलाशय, दक्षिण में मुदुमलाई टाइगर रिजर्व और दक्षिण पश्चिम में वायनाड वन्यजीव अभयारण्य से अलग है।
- उत्तर में काबिनी नदी और दक्षिण में मोयार नदी से घिरा हुआ है।
- **वनस्पति:** अभयारण्य में विविध वनस्पतियां शामिल हैं, जिनमें शीशम, भारतीय किन्नो का पेड़, चंदन, भारतीय लॉरेल, बांस और विशाल बांस शामिल हैं।
- **जीव-जंतु:** यह बाघ अभयारण्य दक्षिण एशिया में जंगली एशियाई हाथियों की सबसे बड़ी आबादी, बंगाल बाघ, गौर (भारतीय बाइसन), सुस्त भाल, सुनहरा सियार, धोले (भारतीय जंगली कुत्ता), चार सींग वाला हिरण आदि का आश्रय स्थल है।

बंधुआ मजदूर

हाल ही में, पश्चिम बंगाल के बच्चों के एक समूह को तमिलनाडु से बंधुआ मजदूर के रूप में बचाया गया था।

बंधुआ मजदूर:

- बंधुआ मजदूरी एक ऐसी प्रणाली है जहां श्रमिकों को श्रम के माध्यम से ऋण चुकाने के लिए मजबूर किया जाता है।
- इसे बंधुआ मज़दूरी या ऋण बंधन के नाम से भी जाना जाता है।
- इस प्रणाली में, एक देनदार व्यक्तिगत रूप से या परिवार के किसी सदस्य या आश्रित के माध्यम से लेनदार को सेवा प्रदान करने के लिए सहमत होता है।
- भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने बंधुआ मजदूरी की व्याख्या ऐसी मजदूरी के भुगतान के रूप में की है जो कानूनी न्यूनतम और प्रचलित बाजार मजदूरी से कम है।
- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) बंधुआ मजदूरी से संबंधित मुद्दों की निगरानी करने वाली एक महत्वपूर्ण संस्था है।
- पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश जैसे कम आय वाले राज्य बंधुआ मजदूरी के प्रति अधिक संवेदनशील हैं।
- कर्नाटक और तमिलनाडु से भी हर साल बड़ी संख्या में बंधुआ मजदूरों को बचाया जाता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

	▪ बंधुआ मजदूरी प्रणाली उन्मूलन अधिनियम 1976 (बीएलएसए) जिला प्रशासन को इस प्रथा को समाप्त करने का अधिकार देता है और यह भारत में कानून द्वारा प्रतिबंधित है। ▪ भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21, 23, 24 और 39 जबरन श्रम, बाल रोजगार के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करते हैं और श्रमिकों के अधिकारों को सुनिश्चित करते हैं। ▪ भारत सतत विकास लक्ष्य लक्ष्य 8.7 के तहत 2030 तक आधुनिक गुलामी को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है और उसने अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) के जबरन श्रम उन्मूलन सम्मेलन, 1957 की पुष्टि की है।
डस्टेड अपोलो तितली 	हाल ही में, हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में पहली बार डस्टेड अपोलो तितली देखी गई और उसकी तस्वीरें खींची गईं। **डस्टेड अपोलो के बारे में:** ▪ डस्टेड अपोलो (पारनासियस स्टेनोसेमस) एक दुर्लभ तितली है जो आंतरिक हिमालय में 3,500 और 4,800 मीटर के बीच की ऊंचाई पर उड़ती है। ▪ इसे चंबा में मणिमहेश झील की यात्रा के दौरान देखा गया था। ▪ इस प्रजाति की खोज पहली बार 1890 में की गई थी और यह लद्दाख से पश्चिम नेपाल तक पायी जाती है। ▪ यह काफी हद तक लद्दाख बैंडेड अपोलो (पर्नासियस स्टोलिज़कानस) जैसी दिखती है, लेकिन डस्टेड अपोलो में ऊपरी अग्र पंख पर डिस्कल बैंड पूरा है और कोस्टा से नस एक तक फैला हुआ है, जबकि लद्दाख बैंडेड अपोलो में यह डिस्कल बैंड अधूरा होता है। . ▪ अपोलो तितली का आवास शंकुधारी वृक्षारोपण, कृषि, शहरीकरण और उपयुक्त आवास के झाड़ी भूमि में बदलने से कम हो गया है। ▪ यह एक मध्यम आकार की तितली है, जिसके आम तौर पर पारभासी सफेद, पीले या भूरे पंख होते हैं, जिन पर काले निशान होते हैं और आमतौर पर पिछले पंखों पर लाल या नारंगी रंग का धब्बा होता है।
एर्गोस्फीयर 	**एर्गोस्फीयर (Ergosphere) के बारे में:** ▪ एर्गोस्फीयर घूमते हुए ब्लैक होल के बाहरी घटना क्षितिज के बाहर एक विशिष्ट क्षेत्र है जिसे केर ब्लैक होल के रूप में भी जाना जाता है। ▪ यह वह स्थान है जहां ब्लैक होल द्वारा स्पेसटाइम सातत्य को विकृत कर दिया जाता है। ▪ एर्गोस्फीयर स्पेसटाइम के ताने-बाने सहित हर चीज को ब्लैक होल के साथ घूमने के लिए बाध्य करता है। ▪ इसका निर्माण तब होता है जब एक विशाल तारे का ईंधन समाप्त हो जाता है या उसमें विस्फोट हो जाता है अपने मूल को अपने ही वजन के नीचे समेटने के लिए छोड़ देता है, जिससे एक ब्लैक होल बन जाता है। ▪ घटना क्षितिज गुरुत्वाकर्षण विलक्षणता के चारों ओर एक क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है, जहां प्रवेश करने वाली कोई भी चीज़ तब तक बच नहीं सकती जब तक कि वह प्रकाश से तेज़ न हो जो असंभव है। ▪ ब्लैक होल के केंद्र में एक गुरुत्वाकर्षण विलक्षणता होती है, जहां सापेक्षता का सामान्य सिद्धांत लागू नहीं होता है।
सुर्खियों में स्थल **कैटालोनिया**	हाल ही में, कैटेलोनिया के स्पेनिश क्षेत्र ने आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है क्योंकि यह गंभीर सूखे का सामना कर रहा है। **कैटेलोनिया (राजधानी: बार्सिलोना)** **अवस्थिति :** कैटेलोनिया, स्पेन का एक स्वायत्त क्षेत्र, इबेरियन प्रायद्वीप के उत्तर पूर्व में स्थित है। **भौगोलिक सीमाएँ:** कैटेलोनिया की सीमा भूमध्य सागर (पूर्व) और फ्रांस और अंडोरा (उत्तर) से लगती है। **भौतिक विशेषताएं:** ▪ पाइरेनीस एक पर्वत श्रृंखला है जो बिस्के की खाड़ी से भूमध्य सागर तक फैली हुई है, जो फ्रांस और स्पेन के बीच एक प्राकृतिक सीमा बनाती है। ▪ एब्रो नदी स्पेन की सबसे लंबी नदी है यह कैंब्रियन पर्वत से भूमध्य सागर तक बहने वाली इबेरियन प्रायद्वीप की दूसरी सबसे लंबी नदी है। ▪ कैटेलोनिया आमतौर पर भूमध्यसागरीय जलवायु का अनुभव करता है, जिसमें गर्म, शुष्क ग्रीष्मकाल और हल्की, गीली सर्दियाँ होती हैं।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में सुर्खियां बटोरने वाला थानथाई पेरियार वन्यजीव अभयारण्य किस राज्य में स्थित है? - **तमिलनाडु**
- हाल ही में समाचार में प्रदर्शित C-CARES वेब पोर्टल से कौन सा क्षेत्र जुड़ा है? - **कोयला क्षेत्र**
- हाल ही में मेसोलिथिक युग के शैलचित्र कहाँ खोजे गए थे? - **तेलंगाना**
- हाल ही में खबरों में प्रकाशित 'डिजिटल डिटॉक्स' पहल को कौन सा राज्य लागू कर रहा है? - **कर्नाटक**
- फेंटेनल, जिसका हाल ही में समाचारों में उल्लेख किया गया है, क्या है? - **एक प्रकार का ओपियॉइड ड्रग**